(Q) साधनों के आवंटन में करारोपण के प्रभावों का परीक्षण कीजिए।
अथवा
करारोपण के आर्थिक प्रभाव के अध्ययन का महत्व स्पष्ट करें।
अथवा
किसी समाज में उत्पादन और संपत्ति पर पड़ने वाले कराधान (Taxation) के प्रभावों को समझाइए।
What are the effects of taxation on Production & distributio

यद्यपि कि करारोपण सार्वजनिक आय का प्रमुख साधन है तथापि आर्थिक दृष्टिकोण से समाज पर भिन्न भिन्न प्रकार के प्रभाव पड़ते हैं। Dalton ने इस संदर्भ में कहा है कि "The best system of taxation from the economic point of view that which has the best, or the least bad economic effect." अर्थात आर्थिक दृष्टिकोण से सबसे अच्छी कर प्रणाली वही है जिसके आर्थिक प्रभाव सबसे अच्छे हों अथवा यदि कोई बुरा प्रभाव पड़े तो वह सबसे कम हो।

करारोपण के प्रभावों को तीन भागों में विभाजित किया जा सकता है।

(I) उत्पादन पर प्रभाव
(II) वितरण पर प्रभाव
(III) करारोपण के अन्य प्रभाव

(I) Effects of Taxation on Production:-

Dalton ने करारोपण का उत्पादन पर पड़ने वाले प्रभावों को तीन भागों में बाँटा है।
(a) काम करने और बचत करने की योग्यता पर प्रभाव
(b) काम करने और बचत करने की इच्छा पर प्रभाव
(c) आर्थिक साधनों के स्थानांतरण पर प्रभाव

(a) काम करने और बचत करने की योग्यता पर प्रभाव (Effects on ability to work and save) :-

कर लगाने के फलस्वरूप करदाता को अपनी एक निश्चित आय से वंचित रहना पड़ता है जिससे उसकी क्रयशक्ति कम हो जाती है यदि करदाता को कर देने के कारण अपनी अनिवार्य और आरामदायक आवश्यकताओं में कटौती करनी पड़ती है तो इसे उनकी काम करने की शक्ति पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है यही कारण है कि निर्धन लोगों पर अधिक करारोपण करना अनुचित माना गया है ठीक इसके विपरीत धनी लोगों पर कर लगाने से उनकी कार्यशक्ति पर विपरीत प्रभाव नहीं पड़ता है।
जैसे :- आयकर, संपत्तिकर, उत्तराधिकार कर इत्यादि।

करों का प्रभाव बचत करने की क्षमता पर भी पड़ता है क्योंकि कर लगाने से करदाताओं की क्रयशक्ति कम हो जाती है और लोग बचत नहीं कर पाते हैं अप्रत्यक्ष कर लगाने से लोगों की बचत करने की क्षमता कम हो जाती है।

(b) काम करने और बचत करने की इच्छा पर प्रभाव (Effects on desire on to work and save) :-

करारोपण व्यक्ति के काम करने की इच्छा पर तथा योग्यता पर प्रभाव डालता है। हालांकि यह कर की प्रकृति तथा कर के प्रति व्यक्ति विशेष की प्रक्रिया पर निर्भर करता है यदि करदाताओं की आय माँग बेलोचदार है तो करदाता की कार्य करने की इच्छा पर अनुकूल प्रभाव पड़ेगा और वे एक निश्चित धनराशि आय के रूप में प्राप्त करने की कोशिश करेंगे। गरीब लोगों की आय की माँग की लोच बेलोचदार होती है।

इसके विपरीत जिस व्यक्ति की आय अधिक होती है उनके आय की लोच अधिक होती है। यदि ऐसे लोगों पर सरकार कर लगाती है तो उनके काम करने की इच्छा पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। साधारण रूप से करारोपण का लोगों की बचत करने की इच्छा पर प्रतिकूल प्रभाव डालता है क्योंकि कर लगने के कारण वस्तुओं के मूल्य बढ़ने से लोग अपने वर्तमान उपभोग में कमी न करके प्रायः अपनी बचत में कमी करते हैं लेकिन यदि लोग भविष्य के प्रति चिंतित रहते हैं तो ऐसी स्थिति में कुछ लोग उपभोग में कमी करके भविष्य के लिए बचत कर लेते हैं। इस संदर्भ में Dalton का कहना है कि करारोपण व्यक्तिगत बचत और विनियोग दोनों को हतोत्साहित कर सकता है।

(c) आर्थिक साधनों के स्थानांतरण पर प्रभाव (Effects on the transfer of resources):-

करारोपण के फलस्वरूप उत्पादन की मात्रा ही नहीं बल्कि उसकी संरचना भी प्रभावित होती है। जब सरकार उत्पादन पर कर लगाती है तो वस्तुओं के मूल्य बढ़ जाती है जिसके कारण माँग में कमी हो जाती है और उत्पादकों को लाभ भी कम होता है इसलिए पूँजी एवं विनियोग ऐसे उत्पादन से हटकर उस उत्पादन की ओर जाने लगता है जहाँ कर नहीं लगते अथवा करों की मात्रा कम होती है। उत्पादन के साधनों का स्थानांतरण किस दिशा में होगा यह संबंधित वस्तुओं के मांग एवं पूर्ति की लोच पर निर्भर करती है।

यह निम्नलिखित प्रकार से हो सकता है।

(a) सामाजिक कल्याण की दिशा में :-

यह यदि आरामदायक वस्तुओं अथवा उपभोग की दृष्टि से हानिकारक वस्तुओं पर कर लगाया जाता है तो सामाजिक कल्याण की दृष्टि से उचित माना जाता है क्योंकि ऐसे उद्योगों में लगे साधन आवश्यक वस्तुओं के उत्पादन की ओर प्रवाहित होने लगते हैं।

(b) सामाजिक कल्याण के प्रतिकूल अथवा हानिकारक :-

यदि ऐसी वस्तुओं पर कर लगाया जाता है जो ऐसी वस्तुओं के लिए उपभोग की दृष्टि से आवश्यक होती है तो वस्तुओं के मूल्यों में वृद्धि होती है। फलस्वरूप ऐसी वस्तुओं का उपभोग कम हो जाता है जिससे काम करने एवं उत्पादन पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है।

(c) वर्तमान उपयोग से भविष्य के उपयोगों का स्थानांतरण :-

यदि उपभोग पर कर लगाने का प्रभाव यह होता है कि वस्तुओं को बढ़ावा मिलता है जिससे उत्पति के साधनों का हस्तांतरण वर्तमान उपयोग से भविष्य के उपयोगों की ओर होने लगता है।

(d) एक जगह से दूसरे जगह का स्थानांतरण :-

यदि दो राज्यों में करों की दरों में अंतर है तो उत्पति के साधन उन क्षेत्रों से जहाँ कर की दर ऊँची होती है उन स्थानों की ओर प्रवाहित होने लगती है जहाँ तुलनात्मक रूप से कर की दर कम होती है।

(ii) Effects of Taxation on Distribution :-

करारोपण का वर्तमान समय में सम्पूर्ण अर्थव्यवस्था को प्रभावित करनेवाला तत्व है जो धन के वितरण की विषमता में कमी लाते हैं आजकल तो करारोपण को आय के वितरण में समानता लाने के लिए एक आवश्यक राजस्व नीति के रूप में प्रयोग किया जाता है।

Prof. पीगू ने इस संबंध में लिखा है कि "यदि राष्ट्रीय लाभांश की मात्रा में कमी न आए तो धन के वितरण में प्रत्येक ऐसा सुधार जिससे लाभांश में से निर्धन के पास जाने वाली मात्रा में वृद्धि हो जाती है तो सामूहिक कल्याण की अभिवृद्धि होगी।"

वैसे तो करारोपण का वितरण पर जो प्रभाव पड़ता है वह मुख्य रूप से करों की प्रकृति पर निर्भर करता है यदि करों से धन की असमानता में कमी लाना हो तो प्रगतिशील कर अच्छा माना गया है।

साधारण तौर पर प्रत्यक्ष कर आय तथा सम्पति की विषमता को कम करता है और अप्रत्यक्ष करों का ऐसा कोई प्रभाव नहीं पड़ता है। करारोपण का वितरण पर प्रभाव के संबंध में Dalton का कथन उल्लेखनीय है कि प्रतिगामी कर प्रणाली आय की असमानताओं को बढ़ाती है। अनुपातिक अथवा थोड़ी सी प्रगतिशील कर प्रणाली का भी यही प्रभाव होता है। प्रगतिशील कर जितनी ही अधिक होगी आय की विषमता दूर होने की प्रवृत्ति भी उतना ही अधिक होती है। यही कारण है कि प्रगतिशील कर जैसे आयकर, सम्पति कर, उत्तराधिकार कर, उपहार कर इत्यादी का अधिक महत्व होता है और निर्धन वर्ग को इससे मुक्त रखने का प्रयास किया जाता है।

(iii) Other effects of Taxation :-

करारोपण का ऊपर दिए गए प्रभावों के अतिरिक्त अन्य प्रभाव भी पड़ते हैं- जो निम्नलिखित हैं

(a) Effect on Consumption :-

करारोपण का उपयोग पर महत्वपूर्ण रूप से प्रभाव पड़ता है यदि हानिकारक उपभोग की वस्तुओं पर कर लगाया जाता है तो इसके कारण उपभोग माँग कम हो जाती है तो ऐसे करों का प्रभाव अच्छा होता है। यही कारण है कि मादक नशीली वस्तुओं पर भारी करों को न्यायोचित माना जाता है लेकिन यदि आवश्यक वस्तुओं पर कर लगाये जाते है तो उससे समान्य वर्ग अथवा निर्धन वर्ग को उपभोग कम करना पड़ता है जिसका प्रभाव माँग तथा रोजगार पर पड़ता है।

(b) Effect on Economic Stability :-

करारोपण का प्रभाव उत्पादन उपभोग तथा वितरण पर तो पड़ता ही है आर्थिक स्थिरता पर भी पड़ता है प्रो० Learner ने लिखा है कि करारोपण का एकमात्र उद्देश्य देश में आर्थिक क्रियाओं अर्थात उत्पादन, वितरण उपभोग संबंधी क्रियाओं के आकार को नियमित करना होना चाहिए। क्योंकि इससे प्रभावित करके अर्थव्यवस्था में स्थायित्व लाया जा सकता है।

(c) Inflation :-

मुद्राप्रसार की अवस्था में लोगों के पास क्रयशक्ति अधिक रहती है जिससे वस्तुओं की माँग बढ़ती है तथा मूल्यों में वृद्धि होती है अतः ऐसी अवस्था में करारोपण का उद्देश्य बढ़ी हुई क्रयशक्ति को कम करना है और वर्तमान करों की दर में वृद्धि करके या नए कर लगाकर उद्देश्य को प्राप्त किया जा सकता है।

(d) Time of depression :-

मंदी के अवस्था मे नए कर नही लगाना चाहिए क्योकि इन से लोगो की क्रयशक्ति कम होती है और विनियोग पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है क्रयशक्ति कम हो जाने से लोगो की माँग घट जाती है जिससे उत्पादन घटता है। फलस्वरूप अर्थव्यवस्था की स्थिति और भी खराब हो जाती है। यही कारण है कि मंदी के समय सार्वजनिक व्यय मे वृद्धि का समर्थन किया जाता है और घाटे का बजट का निर्माण किया जाता है।

(e) Effect on employment :-

करारोपण का प्रभाव रोजगार पर भी व्यापक रूप से पड़ता है यदि करारोपण के द्वारा विनियोग एवं उत्पादन मे वृद्धि होती है तो रोजगार के स्तर भी बढ़ते है यदि करारोपण से आर्थिक स्थिरता मे वृद्धि होती है तो इससे रोजगार भी बढ़ता है। मुद्राप्रसार एवं मुद्रासंकुचन के स्थिति मे करारोपण का प्रभाव तो पड़ता ही है पर यदि करो द्वारा सरकार के पास ऐसी क्रयशक्ति हस्तांतरित होती है जो कि लोगो के पास निष्क्रिय थी और इस क्रयशक्ति का उपयोग सरकार उत्पादन कार्यो मे करती है तो इसे रोजगार के स्तर मे वृद्धि होगी।

इस प्रकार ऊपर दिये गए तथ्यो के अध्ययन से स्पष्ट है कि करारोपण एक विकासशील देश के लिए अस्त्र के रूप मे हो सकता है परन्तु यह ध्यान देने योग्य बात है कि यहाँ के निवासियों की करदान क्षमता विकसित देशों की अपेक्षा बहुत कम होती है जहाँ तक कि लोगो से आय प्राप्त करने का सवाल है यह बात भी सही नही है क्योकि धनी लोगो पर पड़ने वाला करभार

का प्रभाव उनके बचत एवं काम करने की इच्छा एवं योग्यता पर अच्छा प्रभाव नही पड़ता है। अंत मे निष्कर्ष के रूप मे कहा जा सकता है कि करारोपण के अच्छे अथवा बुरे प्रभाव करो की प्रकृति पर निर्भर करती है।